प्रपत्र

परियोजना का नाम :– जनपद रूद्रप्रयाग में प्रधानमत्री ग्रामीण सडक योजना के अर्न्तगत प्रस्तावित शिवनन्दी से सिमतोली मिसिंग लिंक (सिगतोली से काण्डा) मोटर मार्ग स्टेज–प्रथम (लम्बाई 1.500 कि०मी०) के नव निर्माण हेतु हस्तान्तरण प्रस्ताव।

प्रस्तावित कार्य हेतु वन भूमि के मार्ग का पूर्ण औचित्य को दर्शाते हुए एक विस्तृत आख्या।

कनिष्ठ अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, सिंचाई खण्ड,
रूद्रप्रयाग

सहायक अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, सिंचाई खण्ड,
रूद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, सिंचाई खण्ड,
रूद्रप्रयाग

प्रपत्र-

विस्तृत आख्या

कार्य का नाम – पी0एम0जी0एस0वाई0 के अन्तर्गत शिवनन्दी से सिमतोली (काण्डा से सिमतोली) मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 0.955 है0 वनभूमि का गैर वानिकी कार्यो हेतु ग्राम्य विकास विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण।

पी0एम0जी0एस0वाई0 के अन्तर्गत शिवनन्दी से सिमतोली (काण्डा से सिमतोली) मोटर मार्ग की लम्बाई 1.500 किमी0 है। यह मोटर मार्ग सिमतोली से प्रारम्भ होता है जिसके अन्तिम भाग में काण्डा ग्राम संयोजित होता है। उक्त मोटर मार्ग के निर्माण से जहां प्रत्यक्ष रूप से सिमतोली (जनसंख्या–276) एवं काण्डा (जनसंख्या–117) ग्रामों को लाभ मिलेगा वहीं अप्रत्यक्ष रूप से भुन्नका, कोदिमा, जसोली एवं चमकोट ग्रामों को भी लाभ मिलेगा। इस प्रकार उक्त मोटर मार्ग का निम्न बिन्दुओं के सापेक्ष निर्माण किया जाना अति आवश्यक है।

1. **शिक्षा सुविधा –** उक्त क्षेत्र के ग्रामीणों के बच्चों को शिक्षा हेतु उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय विजयगढ में एवं इण्टरमिडिएट के छात्रों को रा0इ0का0 रतूडा आना पड़ता है। विजयगढ़ स्कूल हेतु नौनिहालों को 4.00 किमी0 की पैदल दूरी तय करनी पड़ती है एवं इण्टरमिडिएट के छात्रों को भी 7.00 किमी0 पैदल दूरी तय कर विद्यालय मे आना पड़ता है। यदि मोटर मार्ग का निर्माण होता है तो बच्चों को स्कूल पहुंचने में आसानी होगी।
2. **स्वास्थ्य सुविधा –** उक्त क्षेत्र के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ लेने के लिए शंकराचार्य अस्पताल रतूडा या जिला चिकित्सालय रूद्रप्रयाग आना पड़ता है। यदि मोटर मार्ग का निर्माण होता है तो क्षेत्रवासियों को आसानी से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त हो जायेगा।
3. **फॉयर क्रू सेन्टर –** वन विभाग का फॉयर क्रू सेन्टर शिवनन्दी सौड़ (कलना) में स्थापित हे फॉयर सीजन में जंगलों में आग लगने के कारण जंगल नष्ट हो जाते है एवं आग बुझाने हेतु उक्त जंगलों में पहुंच कठिन हो जाती है। यदि इस मोटर मार्ग का निर्माण किया जाता है तो पूरे क्षेत्र के जंगलों में भी आवागमन आसान हो जायेगा।
4. **घरेलू उत्पादों का आसान परिवहन** – उक्त क्षेत्रवासियों का आय का मुख्य साधन कृषि है। घरेलू उत्पाद जैसे– सब्जियां, दूध, फल आदि से कास्तकार अपनी आजीविका अर्जित करते हैं। यदि मार्ग का निर्माण हो जाता है तो कास्तकार अपने उत्पादों को आसानी से बाजार में उचित मूल्य में बेच सकते हैं।
5. **राष्ट्रीय राजमार्ग–58 (हाईवे) का वैकल्पिक मार्ग** – रूद्रप्रयाग नगरासू (NH-58) मोटर मार्ग भविष्य में अवरूद्ध होता है तो उक्त मोटर मार्ग के यातायात को शिवनन्दी से सिमतोली मोटर मार्ग पर डायवर्ट किया जा सकता है।
6. **संचार सेवा –** उक्त क्षेत्र का पोस्ट ऑफिस रतूडा में स्थित है अपने आवश्यक कार्यो हेतु ग्रामीणों को 5.50–6.00 किमी0 पैदल दूरी तय करनी पड़ती है। यदि इस मोटर मार्ग का निर्माण किया जाता है तो क्षेत्रवासियों को पोस्ट ऑफिस रतूडा आने में आसानी होगी।
7. **पलायन रोकथाम** – उक्त क्षेत्र के कई ग्रामीण उपरोक्त कठिनाइयों को देखते हुए अपने बच्चों को लेकर रूद्रप्रयाग घोलतीर या गौचर में प्रवास करते हैं। यदि मोटर मार्ग का निर्माण हो जाता है तो कई ग्रामीण उपने बच्चों सहित गांवों में वापस आ जायेंगे। जिससे क्षेत्र में पलायन भी रूक जायेगा।
8. **उच्च शिक्षा सुविधा–** वर्तमान में क्षेत्र वासियों के बच्चे इण्टरमीडिएट की पढ़ाई के उपरान्त उच्च शिक्षा हेतु रूद्रप्रयाग या कर्णप्रयाग के उच्च संस्थानों में जाते है। जिससे उनके अभिभावकों को आर्थिक हानि होती है। यदि इस मार्ग का निर्माण किया जाता है तो रूद्रप्रयाग की कुल दूरी लगभग 15.00 किमी0 हो जायेगी।

अपर सहायक अभियन्ता
पी.एम.जी.एस.वाई. (सिं.ख.)
रूद्रप्रयाग

सहायक अभियन्ता
पी0 एम0 जी0 एस0 वाई0
सि0 ख0, रूद्रप्रयाग

अधिशासी अभियन्ता
पी0 एम0 जी0 एस0 वाई0
सिं0 ख0, रूद्रप्रयाग